## श्रम विभाग ग्रादेश दिनांक 19 दिसम्बर, 1986

सं ग्रो० वि०/एफ०डो ०/149-86/48100.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० दो इण्डियन एल्युमिनियम केंब्ल्ज लिं०, 12/1, मथुरा रोड, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री टीका राम, मार्फत सी.ग्राई.डी.यू. 2/7, गौषी कालीती, ग्रोल्ड फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, भौडोगिक विवाद अधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिवतयों आ प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उवत अधिनियम की घारा 7क के अधीन गठित औदयोगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिद्धि मामला/मामले जोकि उवत प्रबन्धकों तथा अमिकों के बीच या तो विवाद गस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले है जियाबनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री टीका राम की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं ग्रो॰ वि॰/एफ०डी॰/191-86/48107. — चंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं॰ के॰ जी॰ खोसला कम्प्रेशरस लि॰, 18.8 कि॰ मि॰ देहली-मथुरा रोड, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री एच. एन. बतरा पुत्र श्री डी.डी. बतरा, ई-201/1, शाहपुर जेट होज खास नई दिल्ली तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीखोगिक विवाद है;

ग्रोर चूं कि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हैतू निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते है ;

इसलिये, प्रव, श्रीचोगिक विवाद श्रधितियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (व) द्वारा प्रदान की गई श्रिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रिक्षितियम की धारा 7-क के श्रधीन गठित श्रीचोगिक श्रिक्तरणा, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिद्धित्य मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रिमिकों के बीच या तो विचादशस्त मामला/मामले है स्थायतिर्णय एवं पंचाट तीन माल में देने हेतु निद्धित्य करते हैं:-

क्या श्री एच. एन. बतरा की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है? संव श्रोव विव/एफवडी वि/181-86/48114.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैंव श्रोसवाल स्टील प्लाट नंव 263, सैक्टर 24, फरीदाबाद के श्रीमक श्री सूरजित सिंह ग्रहुजा, पुत्र श्री चमन सिंह ग्रहुजा, ई-35, नेहरू, ग्राऊंड एन माई.टी., फरीदाबाद, तथा श्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीकोणिक विवाद है;

ग्रीर चिक्क हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, ग्रव, ग्रीद्योगिक विवाद ग्रिश्चित्यम, 1947 की भारा 10 की उपचारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यशाल इस के द्वारा उक्त ग्रीधिनियम की धारा 7-क के ग्रीधीन गठित ग्रीद्योगिक ग्रीदिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिद्धिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं ग्रथवा विवाद में मुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री सूरजीत सिंह ग्रहुजा की सेवा समाप्त की गई है या ६ सने रवय गैन्ह जिन्हों कर नौकरी से पूर्वभ्रह जिकार (लियन) खोशा है ? इस जिन्दू पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार हैं ?

सं आे बि /एफ डी / 185-86/48121. — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं लखानी रवड़ उद्योग प्राo लिं एलाट, नं 235, सैंक्टर-24, फरीदाबाद के श्रिमिक श्री कमलवास चौहान, पुत्र श्री देवकी, संजय कालोनी, सैंक्टर-23, बलाक-डी नजदीक सुन्दर जनरल स्टोर फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीदोशिक विवाद है;

भीर चूंकि हरिबाणा के राज्यताल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट करना वांछनीय समझते हैं।;

इसिल्ये, अब, औरयोगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (व) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यशल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की झारा 7-क के अधीन गठित अधिशिक अधिकरण, हरियाणा, फरीशबाद, की नीचे विनिदिष्ट मामला जो कि। उक्त प्रवन्धकों तथा धमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले है न्यायनिर्णंश एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं:--

क्या भी कमलवास चौहन की सेवा समाप्त की गई है या उसने स्ववं गैरहाजिर रह कर नौकरी से पुर्नप्रहणाधिकार (लियन) खोया है ? इस बिन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप यह किस राहुत का हकदार है ?

> े प्रकरिं एस० प्रप्रवात, उप संविव, हरियाणा सरकार, अम विभाग।